नारी

भारत की नारी तू संघर्षों में जीती है।
दिन रात तपन सहती, तब कुंदन बन पाती है।
भारत की नारी तू संघर्षो में जीती है।

नाग कुंठाओं में बढ़ती विष की बूंदे पीती है।
विषधर को गले लगाती तब चन्दन बन पाती है।
भारत की नारी तू संघर्षों में जीती है।

प्रांशी जैन
पूर्व छात्र (एम.आर्क संरक्षण)